दण्ड प्रक्रिया संहिता-1973

मुख्य धारायें

27– किशोरों के मामलों मे अधिकारिता

29– दण्डादेश जो मजिस्ट्रेट दे सकेंगे

30– जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने पर कारावास **का दण्डादेश**

42– नाम और निवास बताने से इन्कार करने पर **गिरफ्तारी**

50– गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को गिरफ्तारी **के आधारों** और जमानत के अधिकार की इत्तिला दी जाना

51– गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की तलाशी

54– गिरफ्तार व्यक्ति की प्रार्थना पर **गिरफ्तार व्यक्ति** की चिकित्सा–व्यवसायी द्वारा परीक्षा

57– गिरफ्तार किये गए व्यक्ति का चौबीस घंटे से **अधिक निरूद्ध** न किया जाना

76– गिफ्तार किये गए व्यक्ति का न्यायालय के **समक्ष अविलम्ब** लाया जाना

82– फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा

83– फरार व्यक्ति **की** सम्पत्ति की कुर्की

84– कुर्की के बारे में दावें और आपत्तियां

85– कुर्क की हुई सम्पत्ति का विक्रय करना और वापस करना

86– कुर्क सम्पत्ति की वापसी के लिए आवेदन नामंजूर करने वाले आदेश से अपील

98– अपहृत स्त्रियों को वापस करने के लिए विवश करने की शक्ति

100– बन्द स्थान के भारसाधक व्यक्ति तलाशी लेने देगें

102– कुछ सम्पत्ति को अभिगृहीत करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति

107– अन्य दशाओं में परिशान्ति कायम रखने के लिए प्रतिभूति

109– संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति

110– अभ्यासिक अपराधियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति

116– इत्तिला की सच्चाई के बारे में जांच

125– पत्नी, सन्तान और माता पिता के भरणपोषण के लिए आदेश

127– भत्ते में परिवर्तन

128– भरणपोषण के आदेश का प्रवर्तन

133– न्यूसेंस हटाने के लिए सशर्त आदेश

142– जांच के लंबित रहने तक व्यादेश

143– मजिस्ट्रेट लोक न्यूसेंस की पुनरावृत्ति या उसे चालू रखने का प्रतिषेध का सकता है

145– जहाँ भूमि और जल से सम्बन्धित वादों से परिशान्ति भंग होना संभाव्य है वहाँ प्रक्रिया

146– विवादों की विषयवस्तु को कुर्क करनें और रिसीवर नियुक्त करने की शक्ति

154– संज्ञेय मामलों मे इत्तिला

161– पुलिस द्वारा साक्षियों की परीक्षा

162– पुलिस से किये गये कथनों का हस्तांक्षरित न किया जाना कथनों का साक्ष्य में उपयोग

164– संस्वाकृतियों और कथनों को अभिलि**खित** करना

169– जब साक्ष्य अपर्याप्त हो तब अभियुक्त **का छोडा** जाना

173– अन्वेषण के समाप्त हो जाने पर पुलिस **अधिकरी** की रिपोर्ट

174– आत्महत्या पर पुलिस द्वारा जांच करना **एवं रिपोर्ट** देना

190– मजिस्ट्रेटो द्वारा अपराधों का संज्ञान

193– अपराधों का सेशन न्यायालयों द्वारा संज्ञान

193क– मिथ्या साक्ष्य देने हेतु धमकी

198– विवाह के विरूद्ध अपराध के लिए अभियोजन

200– परिवादी की परीक्षा

203– परिवाद का खारिज किया जाना

204– आदेशिका का जारी किया जाना

205– मजिस्ट्रेट का अभियुक्त वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति दे सकना

209– जब अपराध अन्नयतः सेशन न्यायालय द्वारा विचारणीय है तब मामला उसे सुपुर्द करना

216– न्यायालय आरोप परिवर्तित कर सकता है

219– एक ही वर्ष में किए गये एक ही किस्म के तीन अपराधों का आरोप एक साथ लगाया जा सकेगा

228– आरोप विरचित करना

229– दोषी होने का अभिवचन

256– परिवादी का हाजिर न होना या उसकी मृत्यु

257– परिवाद को वापस लेना

260– संक्षिप्त विचारण करने की शक्ति

265क– अभिवाक् सौदेबाजी

280– साक्षी की भावभंगी के बारे टिप्पणियां

300– एक बार दोषशिद्ध या दोषमुक्त किये गये व्यक्ति का उसी अपराध के लिए विचारण न किया जाना

306– सहअपराधी को क्षमादान

311– आवश्यक साक्षी को समन करनें या उपस्थित व्यक्ति की परीक्षा करनें की शक्ति

311क– व्यक्ति को नमूनें के हस्ताक्षर या हस्तलेख देने के आदेश की मजिस्ट्रेट की शक्ति

315– अभियुक्त व्यक्ति का संक्षम साक्षी होना

320– अपराधों का शमन

321– अभियोजन वापस लेना

328–329–विकृत चित्त अभियुक्त व्यक्तियों के बारे में उपबंध

357– प्रतिकर देने का आदेश

357 ख– प्रतिकर का भारतीय दण्ड संहिता की धारा 326–क या धारा 376 घ के तहत जुर्माना के अतिरिक्त होना

357 ग– पीड़ितों का उपचार

362– न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में परिवर्तन न करना

366–371–मृत्यु दण्डादेशों की पुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाना

374– दोषसिद्धि कि विरूद्ध अपील

376– छोटे मे मामलो में अपील न होना

377– राज्य सरकार द्वारा दण्डादेश के विरूद्ध अपील
378– दोषसिद्धि की दशा में अपील
389– अपील लम्बित रहने तक दण्डादेश का निलंबन अपीलार्थी का जमानत पर छोड़ा जाना
394– अपीलो का उपशमन
397– पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अभिलेख माँगना
398– जॉच करने का आदेश देने की शक्ति
399– सेशन न्यायाधीश की पुनरीक्षण की शक्तियाँ
401– उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्तियाँ
407– मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्च न्यायालय की शक्ति
408– मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की सेशन न्यायाधीश की शक्ति
421– जुर्माना उद्ग्रहीत करने के लिए वारण्ट
424– कारावास के दण्डोश के निष्पादन का निलंबन
428– अभियुक्त द्वारा भोगी गयी निरोध की अवधि का कारावास के दणडादेश के विरूद्ध मुजरा किया जाना
433– दण्डादेश के लघुकरण की शक्ति
436– किन मामलों में जमानत ली जा सकती है
437– अजमानतीय अपराध की दशा में कब जमानत ली जा सकती है

438– गिरफ्तारी की आंशका करने वाले व्यक्ति की सेशन न्यायालय की जमानत मंजूर करने कि लिए निदेश
439– जमानत के बारे में उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय की विशेष शक्तियाँ
441– अभियुक्त और प्रतिभुओं का बंधपत्र
446– प्रक्रिया, जब बंधपत्र समपहृत कर लिया जाता है
449– धारा 446 के अधीन आदेशों से अपील
451– कुछ मामलों में विचारण लंबित रहने तक संपत्ति की अभिरक्षा और व्ययन कि लिए आदेश
452– विचारण की समाप्ति पर संपत्ति के व्ययन के लिए आदेश
454– धारा 452 या 453 के अधीन आदेशों के विरूद्ध अपील
457– संपत्ति के अभिग्रहण पर पुलिस द्वारा प्रकिया
466– त्रुटि या गलती के कारण कुर्की का अवैध न होना
468– परिसीमा–काल की समाप्ति के पश्चात् संज्ञान का वर्जन
473– कुछ दशाओं में परिसीमा–काल का विस्तारण
482– उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियाँ